Dance

(26)

एम.ए. संगीत
दो वर्षीय चार सेमेस्टर

नृत्य

सत्र - 2020-21, 2021-2022

प्रत्येक सेमेस्टर में चार प्रश्न-पत्र होंगे। दो सैद्धान्तिक दो प्रायोगिक होंगे जिसकी अंक समीक्षा सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक 100 (85 प्रश्न पत्र 15 सी.सी.ई (सैद्धांतिक)) के होंगे। प्रायोगिक 100 का होगा।

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रथम सेमेस्टर
101	भारतीय नृत्य कला का इतिहास
102	निबंध लेखन और ताललिपि संरचना
103	वायवा (प्रायोगिक)
104	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)

प्रश्नपत्र क्रमांक	द्वितीय सेमेस्टर
201	भारतीय नृत्य कला का इतिहास
202	निबंध लेखन और ताललिपि संरचना
203	वायवा (प्रायोगिक)
204	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)

प्रश्नपत्र क्रमांक	तृतीय सेमेस्टर
301	भारतीय नृत्य कला का इतिहास
302	निबंध लेखन और ताललिपि संरचना
303	वायवा (प्रायोगिक)
304	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)

प्रश्नपत्र क्रमांक	चतुर्थ सेमेस्टर
401	भारतीय नृत्य कला का इतिहास
402	निबंध लेखन और ताललिपि संरचना
403	वायवा (प्रायोगिक)
404	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)

नोट :- परियोजना कार्य चतुर्थ सेमेस्टर में होगा।

एम॰ ए॰ प्रथम सेमेस्टर दिसंबर - 2020

कथक नृत्य KATHAK DANCE

समय - 3 घंटा

प्रथम प्रश्न पत्र - शास्त्र - पूर्णांक 85

101 भारतीय नृत्य कला का इतिहास

आ॰ मू॰ - 15

ई॰ 1 भारतीय नृत्य कला इतिहास - (प्रागैतिहासिक काल, वैदिक काल, पुराण काल, रामायण और महाभारत काल)

ई॰ 2 (i) आचार्य भरत के नाट्य शास्त्र के अनुसार - नाट्य वेद का निर्माण, नाट्यावतरण और नाट्य के महत्व अध्ययन

ई॰ (ii) लोक नृत्य की उत्पत्ति, विकास, और धार्मिक तथा सामाजिक महत्व।

ई॰ 3 - भारतीय शास्त्रीय नृत्यों का अध्ययन - (कथक, भरतनाट्यम, कथाकली और मणीपुरी)।

ई॰ 4 आचार्य नंदिकेश्वर के अभिनय दर्पण के अनुसार असंयुक्त हस्तों का विनियोग सहित अध्ययन।

ई॰ 5. (i) आचार्य नंदिकेश्वर के ग्रंथ अभिनय दर्पण का सामान्य अध्ययन।

(ii) कथक नृत्य के विकास में निम्नलिखित गुरुवों का योगदान -

(i) पं॰ अच्छन महाराज,

(i) पं॰ बिंदादीन महाराज (Binadadin)

(ii) पं॰ शम्भू महाराज

(iii) पं॰ लच्छू महाराज और

[signature]

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर - दिसंबर - 2020

कथक नृत्य (KATHAK DANCE)

समय - 3 घंटा

द्वितीय प्रश्न पत्र - शास्त्र

पूर्णांक - 85
आ०म० 15

102 निबंध लेखन और ताल लिपि संरचना

ई० 1 कथक नृत्य से संबंधित विषयों पर निबंध -
(i) भारतीय नृत्य कला का इतिहास एवं विकास।
(ii) नाट्यावतरण।
(iii) कथक नृत्य में गुरु - शिष्य परम्परा।
(iv) कथक नृत्य की उत्पत्ति, विकास और वर्तमान स्थिति।

ई० 2. तीन में सीखे गये विभिन्न बोल - बंदिशों को ताल लिपि बद्ध करना।

ई० 3. रूपक और धमार में बोल बंदिशों को लिपिबद्ध करना।

ई० 4. (i) कथक नृत्य की मंच प्रस्तुती।
(ii) सोलह श्रृंगार और बारह आभूषण का अध्ययन।

ई० 5 कथक नृत्य के भाव पक्ष से संबंधित विषयों का अध्ययन -
(i) गतभाव (ii) ठुमरी भाव (iii) वंदना भाव।

[signature]

एम॰ ए॰ प्रथम सेमेस्टर - दिसंबर - 2020

कथक नृत्य - प्रायोगिक खण्ड

- वायवा

पूर्णांक - 100

तृतीय प्रश्न पत्र - प्रायोगिक

समय - 1 घंटा

103 वायवा

ई-1. तीनताल 16 मात्रा में -
2 आमद, 10 तोड़े, 5 परणें (चतस्र, तिस्र, मिश्र जाति),
3 कवित्त और तिहाईयों का अभ्यास।

ई॰ 2. ताल रूपक (7 मात्रा) और धमार (14 मात्रा) में -
2 आमद, 5 तोड़े, 3 परणें विभिन्न जातियों के
2 कवित्त और तिहाईयों का अभ्यास।

ई॰ 3 (i) गत निकास - छूट, घूंघट और मुरली के प्रकार।
(ii) गत भाव - पनिहारिन।

ई-4. ततकार के प्रकारों का अभ्यास।

ई॰ 5 - ठुमरी अथवा भजन पर भाव नृत्य एवं नृत्य के प्रारंभ में इष्ट देव वंदना।

एम॰ ए॰ प्रथम सेमेस्टर - दिसंबर 2020

कथक नृत्य - प्रायोगिक खण्ड

104 — चतुर्थ प्रश्न पत्र प्रायोगिक - मंच प्रदर्शन

पूर्णांक - 100

समय - 1 घंटा

104 - मंच प्रदर्शन

इकाई 1. आमंत्रित दर्शकों के समक्ष प्रायोगिक पाठ्यक्रम के किसी भी एक ताल स्वतंत्र नृत्य प्रदर्शन क्षमता।

इकाई 2. गत निकास एवं गत भाव का प्रदर्शन।

इकाई 3 ततकार का उच्चतम प्रदर्शन।

इकाई 4. भजन अथवा ठुमरी पर भाव नृत्य

इकाई 5 - असंयुक्त हस्तों का प्रायोगिक प्रदर्शन।

एम॰ ए॰ द्वितीय सेमेस्टर - जून-2020-2021

कथक नृत्य शास्त्र

समय- 3 घंटा प्रथम - प्रश्न पत्र पूर्णांक - 85

आन्तरिक - 15

201 भारतीय नृत्य कला का इतिहास

प्र॰1 (i) आचार्य भरत के अनुसार रस निष्पत्ति का सिद्धांत एवं उनके परवर्ती आचार्यों द्वारा रस निष्पत्ति सूत्र की व्याख्याओं का अध्ययन।

(ii) नव रसों का अध्ययन एवं नृत्य (कथक) में उनका महत्व।

प्र॰2 - आचार्य भरत के अनुसार रंगमंच का अध्ययन - रंगमंच निर्माण विधि, रंगमंच के विभिन्न प्रकारों का अध्ययन।

प्र॰3 (i) नायक - नायिका भेदों का अध्ययन एवं कथक नृत्य में इनका महत्व।

(ii) नर्तन भेद - नाट्य, नृत्त और नृत्य का अध्ययन।

प्र॰4. अभिनय भेदों का विस्तारपूर्वक अध्ययन एवं कथक नृत्य में महत्व।

प्र॰5. आचार्य नंदिकेश्वर के अभिनय दर्पण के अनुसार संयुक्त हस्त मुद्राओं श्लोक सहित नाम एवं विनियोग सहित व्याख्या।

एम॰ ए॰ द्वितीय सेमेस्टर - जून - 2020 - 2021

कथक नृत्य - शास्त्र

समय - 3 घंटा | द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक - 85
आंतरिक - 15

202 निबंधलेखन एवं रचनात्मक अध्ययन

प्र॰1 - निबंध विषय -

(i) कथक नृत्य में नाट्य, नृत्त और नृत्य के दर्शन।

(ii) कथक नृत्य में नवरसों का महत्व।

(iii) कथक नृत्य में नायिका भेदों का महत्व।

(iv) कथक नृत्य में अभिनय भेदों का महत्व।

(v) ~~नृत्य और साहित्य~~ नृत्य कला के विकास में साहित्य का योगदान।

प्र॰2. तीनताल में विभिन्न बोल - बंदिशों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

प्र-3. सवारी ताल में विभिन्न बोल - बंदिशों को लिपिबद्ध करना।

प्र-4. तिवरा ताल (7 मात्रा) और ~~[illegible]~~ धमार (14 मात्रा) में बोल - बंदिशों की रचना।

प्र॰5. कथक नृत्य के विकास में गुरुओं के योगदान का अध्ययन -
(i) पं॰ जयलाल महाराज, (ii) पं॰ नारायण प्रसाद,
(iii) विदुषी सितारा देवी (iv) पं॰ सुखदेव महाराज।

[signature]

एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर - जून 2020 - 2021

कथक नृत्य प्रायोगिक खण्ड

तृतीय प्रश्न पत्र 203 प्रायोगिक - - - वायवा

समय - 1 घंटा पूर्णांक - 100

ई 0 1 - गुरु वंदना अथवा किसी भी देवी-देवताओं पर आधारित श्लोकों अथवा पदों पर वंदना भाव नृत्य।

ई 0 2 - (i) ताल तीनताल में प्रथम सेमेस्टर के बोल - बंदिशों का अभ्यास।

(ii) ताल सवारी में पूर्ण नृत्याभ्यास - 2 आमद, 5 तोड़े, 5 परन (तिस्त्र, मिश्र, चतस्र जाति) चक्रदार परन, 2 कवित्त और तिहाई आदि का अभ्यास।

ई. 3. ताल तिवरा (7 मात्रा) और ~~[illegible]~~ धमार (14 मात्रा) में नृत्याभ्यास - ~~[illegible]~~ 01 आमद, 3 तोड़े, 3 परण, 2 चक्रदार, 2 कवित्त और तिहाई का अभ्यास।

ई. 4 (i) गत निकास - घूँघट, रुखसार, (रुखसार), बिंदिया, मटकी का अभ्यास।

(ii) गतभाव - होली का अभ्यास।

ई 0 5 - (i) ततकार का उच्चतम प्रदर्शन।

(ii) ठुमरी अथवा भजन पर भाव नृत्य।

एम० ए० द्वितीय सेमेस्टर - जून 2020-2021

कथक नृत्य प्रायोगिक खण्ड

चतुर्थ प्रश्न पत्र प्रायोगिक –

पूर्णांक 100

समय 1 घंटा

204 मंच प्रदर्शन

इ० 1. आमंत्रित दर्शकों के समक्ष – तीनताल अथवा सवारी ताल में सम्पूर्ण नृत्य प्रदर्शन।

इ० 2. गत निकास एवं गतभाव होली का प्रदर्शन।

इ० 3. ततकार में लग्गी, लड़ी का उच्चतम प्रदर्शन।

इ० 4 – भाव अंग में – ठुमरी अथवा भजन पर भाव नृत्य।

इ० 5 – संयुक्त हस्त मुद्राओं का प्रायोगिक प्रदर्शन।

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर - दिसंबर 2021

कथक नृत्य

प्रथम-प्रश्न पत्र शास्त्र -

समय 3 घंटे | पूर्णांक 85 | आन्त. 15

301 भारतीय नृत्यकला का इतिहास

ई.1. आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार - 108 करण और 32 अंगहारों का अध्ययन।

ई.2. (i) आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र के भावों का अध्ययन - 8 स्थायी भाव, 8 सात्विक भाव और 33 संचारी भाव।

(ii) कथक नृत्य में भाव महत्व।

ई.3. (i) रासलीला का अध्ययन और कथक नृत्य से संबंध।

(ii) वृत्ति का अध्ययन कथक नृत्य के संदर्भ में।

ई.4. कथक नृत्य के विकास में राज दरबारों का योगदान -

(i) लखनऊ दरबार (ii) रायगढ़ दरबार

ई.5. (i) आचार्य भरतमुनि के नाट्यशास्त्र का सामान्य अध्ययन।

(ii) देवदासी प्रथा का अध्ययन।

[signature]

एम० ए० तृतीय सेमेस्टर - दिसंबर २०२१

एम० ए० तृतीय सेमेस्टर - दिसंबर 2021

कथक नृत्य

द्वितीय प्रश्न पत्र - शास्त्र

समय 3 घंटे

पूर्णांक 85

302 निबंध लेखन और रचनात्मक अध्ययन। आंतरिक - 15

ई.1. निबंध -

(i) कथक नृत्य के विकास में राजदरबारों का योगदान।

(ii) कथक नृत्य के विकास में शिक्षण संस्थाओं का योगदान।

(iii) कथक नृत्य के विकास में गुरुओं का योगदान।

(iv) कथक नृत्य में भाव का महत्व।

(v) देवदासी प्रथा।

ई.2. तीनताल में विभिन्न बोल बंदिशों को लिपिबद्ध करना।

ई.3. शिखर ताल में बोल बंदिशों को लिपिबद्ध करना।

ई.4 - रुद्र ताल में बोल बंदिशों को लिपिबद्ध करना।

ई.5. (i) दिगम्बर पलुस्कर और भातखंडे ताल लिपि का अध्ययन।

(ii) कथक नृत्य के विकास में गुरुओं का योगदान -

(i) पं० कार्तिक राम (ii) पं० कल्याण दास महंत

(iii) पं० फिरतु महाराज।

[illegible]

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर - दिसंबर 2021

कथक नृत्य

तृतीयप्रश्नपत्र प्रायोगिक खण्ड

समय 1 घंटा — प्रायोगिक : - वायवा — पूर्णांक 100

303 वायवा

प्र. 1 - तीन ताल में उच्च स्तरीय नृत्याभ्यास।

प्र. 2 ताल शिखर और रुद्र में नृत्याभ्यास - 2 आमद, 5 तोड़ा, 5 परन (तिस्र, मिश्र, चतस्र जाति), 2 - चक्रदार परण - तोड़ा, 2 कवित्त और तिहाइयाँ।

प्र. 3 - (i) गतनिकास - प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर के गत निकासों में दक्षता के साथ-साथ - तलवार, तीरकमान आदि निकासों का प्रदर्शन।

(ii) गतभाव - गोवर्धन लीला अथवा कालिया दमन।

प्र. 4 - ततकार द्वारा विभिन्न लयकारियों, कायदा और रेला आदि का अभ्यास।

प्र. 5. (i) तिरवट अथवा चतुरंग नृत्यों का अभ्यास।

(ii) ठुमरी अथवा भजन पर भाव नृत्य।

[signature]

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर – दिसम्बर - 2021

कथकनृत्य

चतुर्थ प्रश्नपत्र प्रायोगिक खण्ड
प्रायोगिक - [illegible]

समय 1 घंटा

304 मंचप्रदर्शन -

पूर्णांक 100

ई. 1. आमंत्रित दर्शकों के समक्ष –
तीनताल अथवा शिखर अथवा कुंद में स्वतंत्र नृत्य प्रदर्शन।

ई. 2. गतभाव - कालियादमन अथवा गोवर्धन लीला का भावपूर्ण नाटकीय प्रदर्शन।

ई. 3. ततकार का उच्चस्तरीय प्रदर्शन एवं लयकारियाँ।

ई. 4. तिरवट अथवा चतुरंग नृत्य का प्रदर्शन।

ई. 5. ठुमरी, गजल अथवा भजन पर भाव नृत्य प्रदर्शन।

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर - जून - 2022

कथक नृत्य - शास्त्र

समय-3 घंटे

प्रथम प्रश्न पत्र -

पूर्णांक 85
आन्तरिक 15

A01 भारतीय नृत्यकला का विशद अध्ययन

ई. 1 - (i) आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार पूर्व रंग का अध्ययन।

(ii) कथक नृत्य के संदर्भ में पूर्व रंग का अध्ययन।

(iii) कथक नृत्य घरानों का अध्ययन।

ई. 2. अभिनय दर्पण के अनुसार - देव हस्त, दशावतार हस्त, नवग्रह हस्त और बांधव हस्तों का अध्ययन।

ई. 3. ताल के दश प्राणों का अध्ययन।

ई. 4. (i) शास्त्रीय नृत्यों का अध्ययन - मोहिनी अट्टम, ओडिसी, कुचीपुडी और सत्रीय।

(ii) अभिनय दर्पण के अनुसार गति भेदों का अध्ययन।

ई. 5 (i) निम्नलिखित विषयों का अध्ययन -
स्थानक, चारी, पाद, मण्डल।

(ii) कथक नृत्य के विकास में पं. बिरजू महाराज का योगदान।

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर जून - 2022

कथक नृत्य शास्त्र

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय - 3 घंटे — पूर्णांक 85, आन्तरिक 15

A 02 निबंध लेखन और रचनात्मक लेखन

प्र. 1 - निबंध लेखन

(i) कथक नृत्य में पूर्वरंग का महत्व।

(ii) कथक नृत्य में ताल और लय का महत्व

(iii) कथक नृत्य का प्रस्तुती क्रम

(iv) कथक नृत्य में गुरु-शिष्य परम्परा का महत्व

(v) कथक नृत्य में हस्त मुद्राओं का महत्व।

प्र. 2. तीनताल और गजझम्पा में नृत्य संरचना लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

प्र. 3. बसंत अथवा मत्त (9 मात्रा) में बोल बंदिश संरचना लिपिबद्ध।

प्र. 4 - कथक नृत्य में नृत्य नाटिका संरचना दिये गये बिंदुओं के आधार पर -
(i) पंचवटी (ii) द्रौपदी वस्त्र हरण और (iii) माखन चोरी।
बिंदु - कथानक, पात्र चयन, वेशभूषा, रस,।

प्र. 5. कथक नृत्य के विकास में गुरुओं का योगदान -
पं. गोपीकृष्ण, डॉ. पुरु दाधीच, डॉ. पी. डी. आशीर्वादम्।

1

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर – जून 2022

कथक नृत्य-

समय 1 घंटा तृतीय प्रश्न पत्र प्रायोगिक खण्ड

403 · प्रायोगिक – वायवा

पूर्णांक 100

प्र. 1. तीनताल में उच्च स्तरीय नृत्य प्रदर्शन के साथ-साथ – दल बादल, कड़क बिजली, दर्जा, जाति परन, त्रिपल्ली, चौपल्ली, अतीत, अनागत आदि का अभ्यास।

प्र. 2. गजझम्पा में नृत्याभ्यास –

2 आमद, 5 तोड़े, 5 परन, चक्रदार - 2, कवित्त - 2 तिहाइयाँ आदि।

प्र. 3. मत्त और बसंत ताल 9 मात्रा में नृत्याभ्यास – आमद-2, तोड़े- 5, परन-5, चक्रदार बंदिशें, कवित्त - 2 तिहाइयाँ आदि।

प्र. 4. (i) गत निकास – प्रथम, द्वितीय और तृतीय सेमेस्टर के गत निकासों का दक्षता पूर्णता प्रदर्शन के साथ-साथ – कटार, मटका आदि निकास का प्रदर्शन।

(ii) गतभाव – माखन चोरी अथवा पंचवटी।

प्र. 5. (i) तिरवट, चतुरंग, तराना पर नृत्याभ्यास।
(ii) ठुमरी, गजल, भजन पर नृत्याभ्यास

(हस्ताक्षर)

एम॰ ए॰ चतुर्थ सेमेस्टर - जून 2022

प्रायोगिक खण्ड -

समय : घंटा चतुर्थ प्रश्न पत्र पूर्णांक 100

404 - मंच प्रदर्शन -

प्र. 1. आमंत्रित दर्शकों के समक्ष स्वतंत्र नृत्य प्रस्तुती - तीनताल, गजझम्पा, मत्त अथवा बसंत तालों में से किसी एक ताल में।

प्र. 2. दल बादल, कड़क बिजली, दर्जा, जाति परण, त्रिपल्ली, चौपल्ली, अतीत, अनागत आदि का प्रदर्शन।

प्र. 3. तिरवट, चतुरंग, तराना में से किसी एक पर नृत्य प्रस्तुती।

प्र. 4. ठुमरी, गजल, भजन आदि में से किसी एक भाव नृत्य।

प्र. 5. ततकार का उच्चस्तरीय प्रदर्शन।